

फर्द अहकाम  
(नियम 26)

दालत मुकाम राज्यक कलेक्टर, नौरिस  
 खिंशाराम बनाम जेठाराम बगौरह  
 क्रमांक 09(13) नं. 877 सन् 2020

तारीख हुक्म हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए

12/02/2020 प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता श्री दिनेश भदरणा ने प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत आदेश व नियम 13 CPC का पेश किया। जो दर्ज रजिस्टर्ड है। जिस पर प्रार्थना-पत्र में वर्णित मूल पत्रावली को तलब कर स्पेलमन किया गया। पक्षकारान को नौरिस जरिए रजिस्टर्ड A.D जारी है।  
 पत्रावली वास्ते इन्तजार तलबी हेतु दिनांक 13/02/2020 को पेश है।

राज्यक कलेक्टर, नौरिस

15/02/2020 पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता प्रार्थी अप. पक्षकारान को सम्मन जरिए रजिस्टर्ड A.D जारी किए। जिसकी रसीद अधिवक्ता प्रार्थी द्वारा मय नौरिस पेश की। बावजूद सूचना के पक्षकारान अनुपस्थित। जिनके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही अन्तल में लाई गई। बेहस प्रार्थना-पत्र सुनी गई। अधिवक्ता प्रार्थी-पक्ष द्वारा प्रार्थना-पत्र में वर्णित तथ्यों को दोहराते हुए बताया कि वादपत्र सं. 311/2002 व पुराने वादपत्र सं. 156/2000 के सम्मन प्रार्थी को प्राप्त नहीं हुए। तथा न ही प्रेषित किए गए। तथा प्रार्थी को बिना सुनवाई का अवसर दिए दिनांक 13/04/2009 को एकपक्षीय निर्णय व डिफ्री पारित की व उक्त डिफ्री के

P.T.O

राज्यक कलेक्टर, नौरिस



तारीख  
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

आधार पर 7/11/2019 को अंतिम डिक्री जारी की गई।

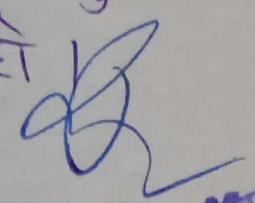
अतः प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र स्वीकार किया जाकर उक्त निर्णय व अंतिम डिक्री अपास्त की जावे। ~~मुख~~

प्रार्थना-पत्र के साथ संलग्न हुए पत्रावली का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया गया। अवलोकन से यह स्पष्ट है कि प्रार्थी को उक्त वादपत्र की कोई सूचना नहीं थी। लिहाजा प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र स्वीकार किया जाना उचित है।

अतः प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र आदेश

(1) नियम (13) CPC का स्वीकार किया जाकर इस न्यायालय के वादपत्र सं 31/2002 व पुराने वादपत्र सं 156/2000 में पारित एकपक्षीय निर्णय दिनांक 13/04/2009 व अंतिम डिक्री दिनांक 7/11/2019 को अपास्त किया जाता है। तथा उक्त निर्णय व डिक्री की चालना प्रभाव स्थापित की जा किए जाते हैं।

पत्रावली फ़ैसल नुमार देकर मूल वाद के साथ नत्थी हो

  
विश्वनाथ शर्मा, नोडल